Worksheet - 11 Subject: - Hindi कक्षा - आठ Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 08.05.2020

शब्दार्थ एवं टिप्पणियाँ (विशिष्ट प्रयोग)

नम्रता	— कोमलता	**राहगीर**	— रास्ते पर चलनेवाले लोग
सहसा	— अचानक	**आशीष**	— आशीर्वाद
सहृदय	— अच्छे हृदयवाला / दयालु	**फिटन**	— चार पहियों की खुली घोड़ागाड़ी
राह	— रास्ता	**याचना**	— प्रार्थना
प्रयत्न	— कोशिश	**विकल**	— दुखी, बेचैन, व्याकुल
संलग्न	— लगे रहना	**शाप**	— बद्दुआ
ताँता बँधा रहना	— भीड़ होना	**संपूर्ण**	— समग्र, पूरा का पूरा
धरोहर	— अमानत, विरासत		

लिखिए

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

सेठ जी की ओर मुख करके कहा, "अच्छा, भगवान तुम्हें बहुत दे।" और अपनी झोंपड़ी की ओर चल दी। यह आशीष न था बल्कि एक दुखी का शाप था। बच्चे की दशा बिगड़ती गई। एक दिन उसकी अवस्था बड़ी चिंताजनक हो गई। अंधी को प्राणों के लाले पड़ गए। अंधी को सेठ जी पर रह-रहकर क्रोध आता था। उसे सेठ जी से घृणा हो गई।

क. 'अच्छा, भगवान तुम्हें बहुत दे'— यह शाप क्यों था?

.....

ख. बच्चे की दशा क्यों बिगड़ती गई?

.....

ग. अंधी को सेठ जी से घृणा क्यों हो गई?

.....

2. **संक्षेप में उत्तर लिखिए—**

क. कैसे कह सकते हैं कि मंदिर में आनेवाले सहृदय और दयालु हुआ करते हैं?

.....

© Madhuban Edu

ख. अंधी बच्चे के भविष्य के प्रति चिंतित थी, यह कैसे पता चलता है?

.....

ग. अंधी सेठ जी के पास पैसे माँगने क्यों गई?

.....

घ. सेठ जी ने अपने खोए हुए बेटे को कैसे पहचाना?

.....

ङ. बच्चा अंधी के पास प्रसन्न क्यों रहता था?

.....

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. परंतु पत्थर में जोंक न लगी— यहाँ पत्थर किसे कहा गया है? क्यों?

ख. सेठ जी को अंधी को लेने क्यों जाना पड़ा?

ग. सेवा तो सेठ जी के नौकर भी कर रहे थे, पर अंधी के आने पर ही बच्चा स्वस्थ हुआ। क्यों?

घ. सेठ जी बड़े ही धर्मात्मा थे फिर भी उन्होंने अंधी की धरोहर लौटाने से क्यों मना कर दिया?

ङ. सेठ और अंधी के चरित्र की तीन-तीन विशेषताएँ लिखिए।

आशय स्पष्ट कीजिए—

इस समय सेठ याचक था और वह दाता थी।

ucational Books

प्रश्न २: संक्षेप मे उत्तर:

क) मंदिर में आने वाले सभी लोग सहृदय और दयालु होते है । क्योंकि कुछ लोग तो अंधी पर दया कर के रोज कुछ न कुछ पैसे उसके हाथ पर रख देते थे लेकिन कुछ लोग उसे डाँट डपट देते थे ।

ख) अंधी का हांडी में रुपये एकत्रित करना इस बात का परिचायक था कि वो अपने पुत्र के भविषय को ले कर बहुत चिन्तित थी ।

ग) छात्र स्वयं करे ।

घ) छात्र स्वयं करे ।

ड़) अंधी अपने पुत्र को बहुत प्यार करती थी और आपने माँ की गोद में वह सुख का अनुभव भी करता था ।

विस्तार में लिखिए:

क) यहाँ पर पत्थर सेठ जी को कहा गया है क्योंकि पुत्र को बहुत बुखार था लेकिन सेठ जी भिखारिन के बहुत गिडगिराने पर भी उसके रूपये देने को तैयार नही हुए । उनका कठोर दिल जरा भी न पसीजा ।

ख) सेठ जी को अंधी को लेने इसलिए जाना पड़ा क्योंकि मोहन लगातार माँ माँ की रट लगा रहा था और उसकी दशा भी लगातार खराब होती जा रही थी ।

ग) सेठ जी देशभक्त तथा धर्मात्मा होने का दिखावा करने वाले तथा गरीबों का शोषण करने वाले थे । उनके मन में अंधी भिखारिन के रुपये को हड़पने का लालच आ गया इसलिए उन्होंने अंधी की धरोहर लौटने से मना कर दिया ।

ड़) छात्र स्वयं करे ।